टूरज़िम का हब बना उत्तर प्रदेश

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य अपनी **ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों** को संरक्षित कर पर्यटन के नए हब के रूप में अपनी पहचान बना है।

मुख्य बिंदु

- **उत्तर प्रदेश में पर्यटन:** उत्तर प्रदेश में **पर्यटन** का विकास न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मज़बूती दे रहा है, बल्कि लाखों लोगों के लिये रोजगार के नए अवसर भी सृजित कर रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य की ऐतिहासिक, **धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों** को संरक्षित कर एक नए **पर्यटन हब** के रूप में पहचान बनाई जा रही है।
  - **वर्ष 2024 में 65 करोड़ से अधिक पर्यटक उत्तर प्रदेश आए, जिन्होंने इसे भारत की पर्यटन राजधानी बना दिया।**
  - **अयोध्या का राम मंदिर, वाराणसी का काशी विश्वनाथ मंदिर, मथुरा-वृंदावन** आदि धार्मिक स्थलों ने उत्तर प्रदेश को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक केंद्र में बदल दिया है। जिससे पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।
- **स्वदेश दर्शन-2 :** केंद्र सरकार की **स्वदेश दर्शन-2** योजना के अंतर्गत **नैमिषारण्य, प्रयागराज और महोबा** को विकसित किया जा रहा है।
- **महाकुंभ मेला: प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित हो रहे इस मेले में लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इस मेले नए निश्चित ही उत्तर प्रदेश को विश्वस्तर पर एक नई पहचान दिलाई है। इससे होटल व्यवसाय, ट्रांसपोर्ट, गाइड सेवाओं और** हस्तशिल्प उद्योग **को भी बढ़ावा मिला है।**
- **पर्यटन का महत्त्व:** उत्तर प्रदेश में पर्यटन आर्थिक विकास के एक प्रमुख चालक के रूप में उभरा है। यह सबसे तेज़ी से आगे बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में से एक है और इसका **व्यापार, रोज़गार सृजन, निवेश, अवसंरचना विकास एवं सामाजिक समावेशन** पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

उत्तर प्रदेश में प्रमुख दर्शनीय स्थल

स्थल	जनपद	स्थल	जनपद
ताज़महल	आगरा	संत कबीर निर्वाण स्थल	मगहर (संत कबीर नगर)
वृंदावन के मंदिर	मथुरा	माथाकुँअर बुद्ध प्रतिमा	कुशीनगर
खानकाह रशीदिया	मैनपुरी	दशावतार मंदिर	देवगढ़ (ललितपुर)
भगवान वराह मंदिर	सोरों (कासगंज)	हरिदेव जी मंदिर	मथुरा
रूमी दरवाज़ा	लखनऊ	लाडली जी (राधा) मंदिर	मथुरा
गोला गोकर्णनाथ मंदिर	लखीमपुर खीरी	भीतरगाँव गुप्तकालीन मंदिर	कानपुर
चक्रतीर्थ नैमिषारण्य	सीतापुर	भारद्वाज आश्रम एवं अक्षयवट	प्रयागराज
आनंद भवन	प्रयागराज	शाकंभरी देवी मंदिर	सहारनपुर
कड़कशाह बाबा की मज़ार	कौशांबी	दानतीर्थ (हस्तिनापुर)	मेरठ
बावनी इमली शहीद स्थल	फतेहपुर	झारखंडेश्वर मंदिर	हापुड़
फाँसी इमली शहीद स्थल	प्रयागराज	व्यास टीला एवं नरसिंह टीला	जालौन
शहीद स्थल छावनी	बस्ती	विंध्यवासिनी मंदिर	मिर्ज़ापुर
कनक भवन	अयोध्या	लोधेश्वर मंदिर	बाराबंकी
सप्तमातृका की प्रतिमा	कन्नौज	भृगु मंदिर	बलिया
जे.के. मंदिर	कानपुर नगर	मुगल घाट	फर्रुखाबाद
दिगंबर जैन मूर्तियाँ (आसई किले से प्राप्त)	इटावा	औघड़नाथ मंदिर	मेरठ
शुक्ल तालाब	कानपुर देहात	जायसी स्मारक	रायबरेली
गोरखनाथ मंदिर	गोरखपुर	अशफाक उल्ला की मज़ार	शाहजहाँपुर
बौद्ध स्तूप	कुशीनगर एवं पिपरहवा (सिद्धार्थ नगर)	श्री दाओजी महाराज	हाथरस

बाबा सोमनाथ जी का मंदिर	देवरिया	चाइना मंदिर	श्रावस्ती
कामदगिरि पर्वत	चित्रकूट	रानी महल	झाँसी
कालिंजर दुर्ग	बाँदा	मकरबाई मंदिर	महोबा
रज़ा लाइब्रेरी	रामपुर	शेख सलीम चिश्ती का मकबरा	फतेहपुर सीकरी (आगरा)
शिब्ली एकेडमी	आज़मगढ़	इमामबाड़ा एवं छतर मंजिल	लखनऊ
देवीपाटन (पाटेश्वरी देवी) मंदिर	बलरामपुर	लाल दरवाज़ा मस्जिद	जौनपुर
अरगा पार्वती मंदिर	गोंडा	हाज़ी वारिस अली की मज़ार (देवा शरीफ)	बाराबंकी
रेणुकेश्वर महादेव मंदिर	सोनभद्र	सैयद सालार मसूद गाज़ी की दरगाह	बहराइच
सीताकुंड घाट	सुल्तानपुर	कपिल मुनि आश्रम, रामेश्वरधाम मंदिर एवं भेदकुंड	फर्रुखाबाद
सीता समाहित स्थल (सीतामढ़ी)	भदोही (संत रविदास नगर)	महर्षि दधीचि आश्रम	सीतापुर
चौरासी गुंबद	कालपी (जालौन)	क्षेमकली देवी मंदिर, पद्मावती सती मंदिर, जयचंद का किला एवं हाज़ी शरीफ दरगाह	कन्नौज
बेल्हा देवी मंदिर	प्रतापगढ़	भरत कुंड	अयोध्या
एजाज अली हॉल	बिजनौर	सैयद महमूद शाह अशरफ जहाँगीर की दरगाह	अंबेडकर नगर
शुक्रताल का प्राचीन शिव मंदिर	मुज़फ्फरनगर	सैयद शाह अब्दुल रज्जाक की दरगाह	बाराबंकी
धानापुर शहीद स्मारक	चंदौली	महर्षि दुर्वासा आश्रम	प्रयागराज
लॉर्ड कार्नवालिस का मकबरा	गाज़ीपुर	कुंतेश्वर मंदिर	बाराबंकी
श्री सनातन धर्म मंदिर	गौतमबुद्ध नगर	सलामत शाह की मज़ार	बाराबंकी
देवकली मंदिर	औरैया	राजराजेश्वरी श्रीविद्या मंदिर	उन्नाव
विक्टोरिया हॉल घंटाघर	हरदोई	दाऊजी मंदिर	मथुरा
यज्ञशाला	बागपत	तुलसी स्मारक	बाँदा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-becomes-tourism-hub